पाठ ४ माँ

शब्दों का खेल

चंदबिंदु का कमाल

'मा' के ऊपर चंदबिंदु लगाने से 'माँ' हो गया। आइए, कुछ और शब्द देखते हैं।

1. नीचे दिए गए चित्रों को देखिए, शब्दों को पढ़िए और उन्हें लिखने का प्रयास कीजिए-

आँख	**आँख**	आँख
बाँस	बाँस	बाँस
दाँत	दाँत	दाँत
बाँसुरी	बाँसुरी	बाँसुरी
साँप	साँप	साँप

egyanarchive

2. माँ कविता मैं से कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। उनका प्रयोग करते हुए अपने परिवार के सदस्यों के लिए दो-चार पंक्तियाँ लिखिए-

भोली-भाली, प्यारी-प्यारी, दिल से सच्ची, जग से न्यारी

उत्तर-

मेरी प्यारी माँ,
तुम हो दिल से सच्ची,
जग से न्यारी,
तुम्हारे बिना मैं क्या करूँगी?

मेरे प्यारे पिताजी,
तुम हो भोली-भाले,
पर दिल से बड़े सच्चे,
तुम्हारे बिना मेरा घर अधूरा है।

मेरे प्यारे भाई-बहन,
तुम सब हो प्यारे,
तुम्हारी वजह से मेरा परिवार है सदा खुश,
तुम्हारी खुशी ही मेरी खुशी है।

egyanarchive